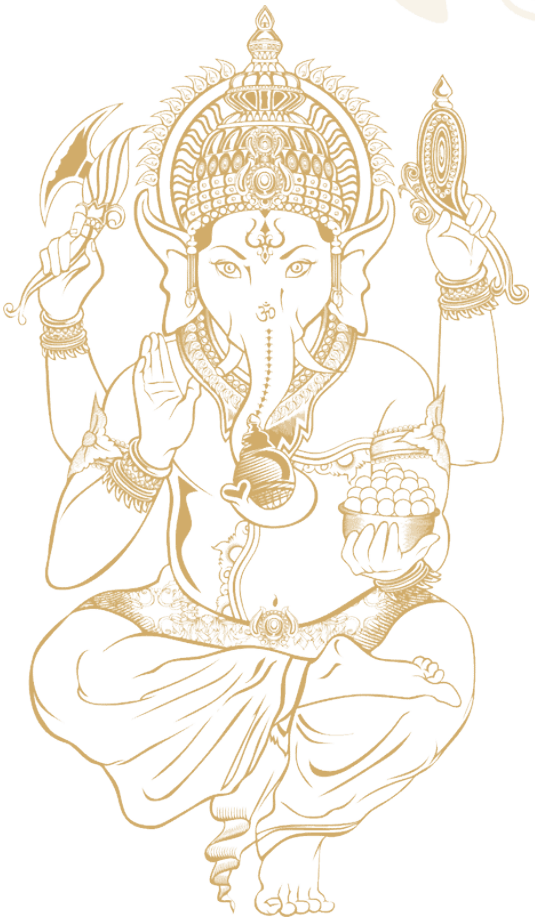

M

10 Dec 2007

07:11 PM

Jammu

Model: web-freekundliweb

Order No: 121418302

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**10/12/2007**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**19:11:00 घंटे**
इष्ट	29:33:26 घटी
स्थान	**Jammu**
राज्य	Jammu and Kashmi
देश	India

अक्षांश	32:42:00 उत्तर
रेखांश	74:52:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:30:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	18:40:28 घंटे
वेलान्तर	00:07:26 घंटे
साम्पातिक काल	23:56:06 घंटे
सूर्योदय	07:21:37 घंटे
सूर्यास्त	17:24:40 घंटे
दिनमान	10:03:03 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	24:08:24 वृश्चिक
लग्न के अंश	19:30:56 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 2**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	शूल
करण	बव
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	यो-योगेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	19:30:56	311:37:38	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	मंगल	---
सूर्य			वृश्चि	24:08:24	01:01:00	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	मित्र राशि
चंद्र			धनु	03:24:30	12:10:56	मूल	2	19	गुरु	केतु	सूर्य	सम राशि
मंगल	व		मिथु	14:02:04	00:20:09	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	बुध	शत्रु राशि
बुध			वृश्चि	20:13:12	01:34:03	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	सम राशि
गुरु			धनु	04:08:32	00:13:38	मूल	2	19	गुरु	केतु	चंद्र	मूलत्रिकोण
शुक्र			तुला	11:54:18	01:10:42	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	मूलत्रिकोण
शनि			सिंह	14:31:19	00:01:00	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
राहु	व		कुंभ	06:31:26	00:12:36	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	चंद्र	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	06:31:26	00:12:36	मघा	2	10	सूर्य	केतु	राहु	शत्रु राशि
हर्ष			कुंभ	20:54:54	00:00:50	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	---
नेप			मक	25:43:10	00:01:18	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	---
प्लूटो			धनु	04:22:48	00:02:11	मूल	2	19	गुरु	केतु	चंद्र	---
दशम भाव			मीन	04:58:03	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:58:12

लग्न-चलित

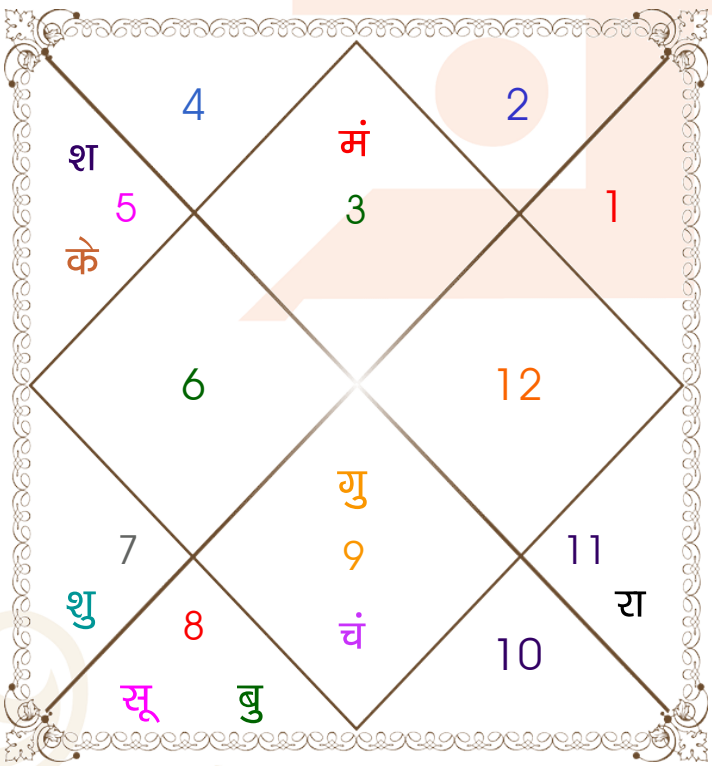

चन्द्र कुंडली

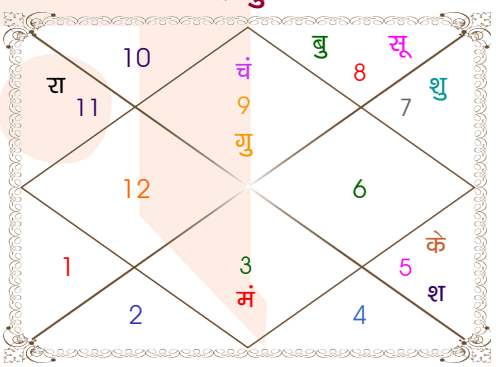

नवमांश कुंडली

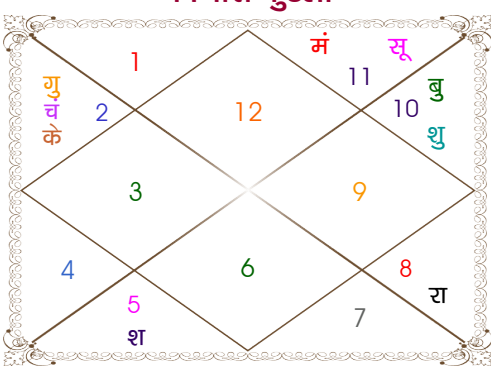

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 5 वर्ष 2 मास 16 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
10/12/2007		24/02/2013		24/02/2033		25/02/2039		24/02/2049	
24/02/2013		24/02/2033		25/02/2039		24/02/2049		25/02/2056	
	00/00/0000	शुक्र	26/06/2016	सूर्य	14/06/2033	चंद्र	26/12/2039	मंगल	24/07/2049
	10/12/2007	सूर्य	26/06/2017	चंद्र	14/12/2033	मंगल	26/07/2040	राहु	11/08/2050
सूर्य	29/01/2008	चंद्र	25/02/2019	मंगल	20/04/2034	राहु	25/01/2042	गुरु	18/07/2051
चंद्र	29/08/2008	मंगल	26/04/2020	राहु	15/03/2035	गुरु	27/05/2043	शनि	26/08/2052
मंगल	25/01/2009	राहु	27/04/2023	गुरु	01/01/2036	शनि	26/12/2044	बुध	23/08/2053
राहु	13/02/2010	गुरु	26/12/2025	शनि	13/12/2036	बुध	27/05/2046	केतु	19/01/2054
गुरु	19/01/2011	शनि	24/02/2029	बुध	20/10/2037	केतु	26/12/2046	शुक्र	21/03/2055
शनि	28/02/2012	बुध	26/12/2031	केतु	25/02/2038	शुक्र	26/08/2048	सूर्य	27/07/2055
बुध	24/02/2013	केतु	24/02/2033	शुक्र	25/02/2039	सूर्य	24/02/2049	चंद्र	25/02/2056

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
25/02/2056		25/02/2074		25/02/2090		25/02/2109		26/02/2126	
25/02/2074		25/02/2090		25/02/2109		26/02/2126		00/00/0000	
राहु	07/11/2058	गुरु	14/04/2076	शनि	27/02/2093	बुध	25/07/2111	केतु	25/07/2126
गुरु	02/04/2061	शनि	26/10/2078	बुध	08/11/2095	केतु	21/07/2112	शुक्र	24/09/2127
शनि	07/02/2064	बुध	31/01/2081	केतु	16/12/2096	शुक्र	22/05/2115	सूर्य	11/12/2127
बुध	26/08/2066	केतु	07/01/2082	शुक्र	16/02/2100	सूर्य	28/03/2116		00/00/0000
केतु	14/09/2067	शुक्र	07/09/2084	सूर्य	29/01/2101	चंद्र	27/08/2117		00/00/0000
शुक्र	14/09/2070	सूर्य	26/06/2085	चंद्र	30/08/2102	मंगल	24/08/2118		00/00/0000
सूर्य	08/08/2071	चंद्र	26/10/2086	मंगल	09/10/2103	राहु	13/03/2121		00/00/0000
चंद्र	06/02/2073	मंगल	02/10/2087	राहु	15/08/2106	गुरु	19/06/2123		00/00/0000
मंगल	25/02/2074	राहु	25/02/2090	गुरु	25/02/2109	शनि	26/02/2126		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 5 वर्ष 2 मा 13 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों के पर्यटक होंगे। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्धेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगा।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगे। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशग्र बुद्धि के स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पातें। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाते हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देते हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने के आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहते हैं।

आप अच्छी तरह यह जानते हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करते हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होते हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाते हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकते हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगे। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगें।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगे। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।